

पाठ : देवव्रत

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु/ पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य	
	सामान्य	विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: महाभारत-कथा पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-१अ/१ विषय वस्तु-देवव्रत उपविषय वस्तु :- अ) महाभारत के प्रारंभिक स्तर का ज्ञान आ) देवव्रत के जीवन का परिचय । ऐतिहासिक ज्ञान । इ) नैतिकता का महत्व । ई) अभिव्यक्ति पाठ्येतर विषय वस्तु *सारलेखन *अनुच्छेद लेखन *अनुभव लेखन	विद्यार्थी अ) महाभारत के प्रारंभ से परिचित हो सकेंगे । आ) देवव्रत के जीवन से संबन्धित घटनाओं से अवगत हो सकेंगे । इ)नैतिकता के महत्व को समझ सकेंगे। ई) अपने अनुभवों के आधार पर अपने विचार अभिव्यक्त कर सकेंगे ।	विद्यार्थी अ) महाभारत की कथा को संक्षेप में समझ कर सार लिख सकेंगे । आ) देवव्रत के जीवन से संबन्धित घटनाओं के आधार पर अनुच्छेद लिख सकेंगे । इ) पाठ में वर्णित नैतिक मूल्यों की सूची बना सकेंगे । ई) जल्दबाजी से जुड़े अपने अनुभव को लिख सकेंगे ।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- 'वचन देने से पूर्व परिणाम के विषय में सोचना और वचन पूर्ति के लिए बलिदान देने की भावना' से संबन्धित ।

कक्षा :- सात

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थियों की गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:-परिशिष्टसंख्या :-१अ/१	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगे:- परिशिष्टसंख्या :-१आ/१	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।
काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-१अ/२	काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-१आ/२	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	विद्यार्थी उचित विरामचिन्ह के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ पढ़ेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में विद्यार्थी अध्यापिका द्वारा निर्धारित अंश के व्याख्या का प्रयास करेंगे ।	विद्यार्थी निर्धारित अंशों की व्याख्या करेंगे ।	
अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के अर्थ को आत्मसात् कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे।	विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे।	
क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-१अ /3	अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-१आ/3	
अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-१अ /4	अभ्यास हेतु दिए गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगे। परिशिष्टसंख्या :-१आ/4	

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- नैतिकता, कर्तव्य बोध, इतिहास ।

विद्यालय भवन :- विद्यालय के पुस्तकालय में जाकर महाभारत का मूल ग्रंथ देखेंगे ।

कक्षा –सात (हिन्दी पूरक पुस्तक बाल महाभारत)

पाठ-1 -देवव्रत

परिशिष्टसंख्या:-1

1. पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -1अ/1

संभावित उत्तर

प्रश्न..1 क्या आपने 'महाभारत' के विषय में सुना है ?

हाँ

प्रश्न.2- वह क्या है ?

भारत का प्रसिद्ध ग्रंथ है

प्रश्न.3- इसमें किस-किस की कथा है ?

विभिन्न उत्तर यथा पाण्डव, कृष्ण, भीष्म

प्रश्न.4 भीष्म का दूसरा नाम बताइए?

सभी निरुत्तर / देवव्रत

कथन:- भीष्म का दूसरा नाम देवव्रत है। आइये 'देवव्रत' पर आधारित इस पाठ को पढ़ कर जानते हैं कि भीष्म अर्थात् देवव्रत के जन्म की कथा क्या थी तथा वे कैसे बालक थे ?

2. काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -1अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक A 4 शीट पर निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देगी।

3. क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि:- परिशिष्टसंख्या -1अ/3

* अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ की कहानी को पढ़ने का निर्देश देंगी।

*कहानी के आधार पर 'वचन देने से पूर्व परिणाम के विषय में सोचना और वचन पूर्ति के लिए बलिदान देने की भावना' पर लगभग 100-125 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखने का निर्देश देंगी।

*तत्पश्चात् अनुच्छेद को बारी-बारी से कक्षा में सुनाने को कहेंगी।

*अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी।

* अंत में अध्यापिका निर्धारित प्रारूप के आधार पर अनुच्छेद का मूल्यांकन करेंगी।

***मूल्यांकन के मानदंड:-**

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठः देवव्रत

गतिविधि : वचन-पालन

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।' इस पंक्ति को चरितार्थ करता हुआ अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए । जब आपने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे कदम उठाया हो । परिणामतः इस लापरवाही की बहुत बड़ी सज़ा भुगतनी पड़ी ।

प्रश्न.2. यदि आप महाभारत के 'शान्तनु' के स्थान पर होते तो क्या निर्णय करते ? कारण सहित अपने शब्दों में लिखिए ।